साइबर बुलिंग और हैरेसमेंट के खिलाफ जागरूकता अभियान की शुरुआत

हेल्पलाइन नम्बर किया लॉन्च, साइबर एब्यूज से प्रभावित लोगों को मिलेगी तत्काल सहायता और मार्गदर्शन

आस-पास ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में अपनी तरह की पहली इनीशिएटिव के तहत, साइबर हैरेसमेंट के खिलाफ बुलंद रहने वाली एक युवा आवाज- व्हाट नॉउ ने ऐलान किया कि उन्होंने 'महाराजाओं की धरती'- राजस्थान में, हर कीमती जिंदगी को साइबर बुलिंग के खतरे से बचाने और सुरक्षित रखने के लिए साइबर हैरेसमेंट, साइबर बुलिंग के खिलाफ एक राज्यव्यापी अभियान शुरू कर दिया है।

डिजिटल युग के आगे बढ़ने के साथ-साथ, टेक्नोलॉजी ने लोगों के कनेक्ट होने, संवाद करने और जानकारी शेयर करने के तरीके में आमूलचूल बदलाव कर दिया है। हालाँकि, इस तकनीकी धूमधड़ाके ने साइबर बुलिंग, साइबर क्राइम और साइबर हैरेसमेंट जैसी नई चुनौतियों के लिए भी दरवाजे खोल दिए हैं, जो भारत समेत पूरी दुनिया में गंभीर सामाजिक मुद्दे बनकर तेजी से उभर रही हैं। ये समस्याएँ भारत जैसे देश में खास तौर पर गंभीर हो जाती हैं, जहाँ इंटरनेट का उपयोग तो तेजी से बढ़ा है, लेकिन रेग्युलेटरी फ्रेमवर्क और जागरूकता इन ऑनलाइन मुसीबतों के चलते पैदा होने वाले खतरों के मुकाबले पिछड़ी हुई है।

यह ग्राउंडब्रेकिंग कैम्पेन, ऑनलाइन एब्यूज के लगातार फैलते जा रहे डर को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा, साथ ही अपने नए खुले हेल्पलाइन नंबर +91 9019115115 के जरिए, तत्काल और भरोसेमंद सहायता प्रदान करेगा। हेल्पलाइन नंबर +91 9019115115 पीड़ितों के लिए आशा की किरण बनकर काम करेगा। यह राजस्थान के नागरिकों को साइबर एब्यूज के साथ कारगर ढंग से निपटने का मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान करेगी, तथा सही समय पर बीच-बचाव भी करेगा।

आज युवाओं के द्वारा झेली जा रही साइबर-बुलिंग/ हैरेसमेंट की समस्याओं को हाईलाइट करते हुए, 'व्हाट नॉउ' की फाउंडर और फिलांथ्रोपिस्ट नीति गोयल ने कहा, हमारा मिशन है कि एक सुरक्षित और सहयोगी ऑनलाइन यूथ कम्युनिटी तैयार की जाए, जहाँ वे साइबर बुलिंग और साइबर हैरेसमेंट से डरे बिना आपस में बातचीत कर सकें। हम साइबर हैरेसमेंट के खिलाफ, जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से यूथ फोरम बनाएंगे और इस लक्ष्य को हासिल करेंगे। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए नीति ने कहा, व्हाट नॉउ राजस्थान के सभी प्रमुख स्टेकहोल्डर्स को इस प्रभावशाली प्रोग्राम में शामिल होने, इनीशिएटिव के बारे में अधिक जानने और एक सुरक्षित डिजिटल माहौल बनाने वाले इस मिशन में अपना-अपना योगदान देने के लिए इनवाइट करता है।

इस मौके पर बोलते हुए, व्हाट नॉउ के को-फाउंडर और एयू कॉर्पोरेट एडवाइजरी एंड लीगल सर्विसेज (एयूसीएल) के फाउंडर अक्षत खेतान ने बताया, चूँकि भारत डिजिटल रूप से ताकतवर सोसाइटी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, इसलिए साइबरबुलिंग, साइबर क्राइम और साइबर हैरेसमेंट से पैदा होने वाले रिस्क को हरगिज नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए। इन मुद्दों पर नीति निर्माताओं, शिक्षकों, लॉ इंफोर्समेंट और आम जनता को तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। एक व्यापक कानूनी ढांचा बनाकर, जागरूकता बढ़ाकर और लॉ इंफोर्समेंट को मजबूत करके, भारत इन ऑनलाइन खतरों के हानिकारक प्रभावों को कम करना शुरू कर सकता है और यह सुनिश्चित कर सकता है कि इंटरनेट अपने सभी उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित स्थान बना रहे।

इस अवसर पर व्हाट नॉउ के ब्रांड एंबेसडर ताहा शाह बादुशा ने कहा, साइबरबुलिंग और साइबर हैरेसमेंट से निपटने वाली व्हाट नॉउ की इस ग्राउंडब्रेकिंग इनीशिएटिव का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व है। कोई भी सुरक्षित ऑनलाइन कम्युनिटी, जागरूकता और सहयोग के बल पर ही शुरू होती है। मैं डिजिटल जगत में सम्मान और सहानुभूति की अलख जगाने के लिए यह संदेश फैलाने को समर्पित हूं।

इसके अलावा, कानूनी सहायता व मदद के लिए, व्हाट नॉउ और एयूसीएल दोनों ही पीड़ितों को चंगा करने वाले यूथ मैंटर मुहैया कराएंगे, साइबर क्राइम पुलिस टीम के साथ उनका सहयोग करेंगे, लीगल गाइडेंस और सपोर्ट प्रदान करेंगे, तथा पूरे भारत के कॉलेज व यूनिवर्सिटीज में व्यापक आउटरीच अवेयरनेस प्रोग्राम एवं सोशल कैम्पेन चलाएंगे।